रजिस्टर्ड नं० पी०/एस० एम० 14.

राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 19 जनवरी, 1985/29 पौष, 1906

हिमाचल प्रदेश सरकार

स्थानीय स्वशासन विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 2/7 नवम्बर, 1984

संख्या एल० एस० जी० ए० (3) 8/76.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1968 (1968 का अधिनियम संख्यांक 19) की धारा 215 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अधिसूचित क्षेत्र समिति सुजानपुर टीरा, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 199 और 200 के अधीन बनाई गई निम्नलिखित उपविधियों की जिनको उक्त अधिनियम की धारा 214 की अपेक्षानुसार हिमाचल प्रदेश के राजपत्र में पहले प्रकाशित किया जा चुका है, पुष्टि करते हैं इन उपविधियों को जन-साधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है और ये उपविधियां, अधिसूचित क्षेत्र समिति सुजानपुर टीरा, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश की सीमाओं के भीतर हिमाचल प्रदेश राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत होगी ।

1. अधिसूचित क्षेत्र समिति सुजानपुर टीरा भवन उप-विधियां, 1984.—(1) किसी भवन का संनिमार्ण या पुनः निमार्ण करने का इच्छुक प्रत्येक व्यक्ति, ऐसे आशय की बाबत, सचिव, अधिसूचित क्षेत्र समिति सुजानपुर टीरा को, इन उपविधियों से संलग्न प्ररूप "क" में लिखित रूप में आवेदन करेगा और उसके साथ,—

(क) उस भूमि का जिस पर भवन का संनिमार्ण या पुनः संनिमार्ण करने का आशय है अनुरेखन कपडे पर एक स्थल रेखांक ;

(ख) जैसे कि अपनाए जाने वाले विनिर्देशन इन उप-विधियों से संलग्न प्ररूप "ख" में विवरणित है भी भेजेगा ।

(2) प्ररूप "क" और प्ररूप "ख" की प्रतियां अधिसूचित क्षेत्र समिति, सुजानपुर टीरा के कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त की जा सकेंगी ।

(3) सरकार के लोक निर्माण विभाग या किसी अन्य स्थानीय निकाय के नियन्त्रणाधीन या प्रबन्धाधीन किसी सार्वजनिक सड़क/मार्ग के पार्श्वस्थ किसी स्थल पर संनिर्मित किए जाने के लिए प्रस्तावित किसी संरचना के मामले में आवेदक, रेखांक और विनिर्देशन तीन प्रतियों में प्रस्तुत करेगा और रेखांकों का एक पूरा सैट, प्रस्तुत किए जाने पर परन्तु समिति द्वारा कार्यपालक इंजिनीयर या अन्य सम्बन्धित स्थानीय निकाय को सूचनार्थ और अनुमोदनार्थ अग्रेषित किया जाएगा ।

टिप्पणी.—रेखांकों का एक पूरा सैट अनुरेखन कपड़े पर होना चाहिएं किन्तु अन्य कैरो प्रतियां न हो सकती हैं: परन्तु यह तब जब कि समस्त रेखाएं तीक्षण है और अक्षर और विमा स्पष्ट और सुभिन्न हैं ।

2. स्थल रेखांक, 12 मिटर के लिए 2-1/2 सै0मी0 के मापमान में अनुरेखन कपड़े पर खींचा जाएगा और उसमें उपयोग में लाए गये किन्हीं विशेष रंगों और संकेतों को स्पष्ट करने वाली अनुक्रमाणिका होगी और निम्न-लिखित बातें दर्शित की जाएंगी :—

(क) उत्तर दिशा का निदेश,

(ख) स्थल की सीमाएं,

(ग) निकटवर्ती मार्ग के सम्बन्ध में स्थल की स्थिति और मार्ग के सम्बन्ध में यदि कोई हो स्थल का स्तर ।

(घ) भवन का स्वरूप,

(ङ) प्रस्तावित भवन की :—

(i) सभी दिशाओं की निकटवर्ती संरचनाओं;

(ii) स्थल की सीमाओं, क सम्बन्ध में स्थिति;

(च) स्थल पर या उसके पार्श्वस्थ समस्त नालियों और ग्राहीयों की स्थिति; और

(छ) मापमान जिसके अनुसार आरेख तैयार किया गया है।

3. स्थल रेखांक में समस्त महत्वपूर्ण विशिष्टताएं जैसे की स्थल पर या उसके पार्श्वस्थ बाड़ सीमा स्तम्भ तार और विद्युत प्रकाश खम्भे, जिन के साथ उनके तार की लाईनें होगी, वृक्ष, पथ, सीढ़ी, और नालियां दर्शित की जाएंगी । रेखांक पर अंकित ऐसी सभी विशिष्टताएं स्पष्ट रूप में लिखी जाएंगी ।

4. भवन रेखांक, अनुरेखन कपड़े पर मीटरी रेखाये इकाई में 1.50 से 1.100 या 120 सै0 मीटर के मापमान में और जो 240 सै0 मी0 से 2.5 सै0मी से अधिक न हो, के उपमाप में तैयार किया जाएगा और उसमें निम्नलिखित बातें दर्शित की जाएंगी :—

(क) प्रस्तावित भवन का स्वरूप,

(ख) प्रयोजन जिसके लिए प्रस्तावित भवन या इसके विभिन्न भाग का उपयोग करने का आशय है (भिन्न-भिन्न कमरों के प्रयोग का वर्णन करने में गोदाम शब्द का उपयोग केवल ऐसे कमरे का वर्णन करने के लिए किया जाए जो केवल भंडारण के प्रयोजनार्थ रखा गया है और मानव अधियोग के लिए आशयित नहीं है),

(ग) धरातल और प्रत्येक अतिरिक्त तल का रेखांक और विस्तार जिसके अन्तर्गत गलियारे, सीढ़ियां, दरवाजे और खिड़कियां हैं,

(घ) पूरे विस्तार सहित प्रस्तावित भवन की ऊंचाई और अनुभाग जिसमें निम्न बातें दर्शित की जाएंगी :—

(i) भवन के चारों ओर की भूमि के स्तर और उस मार्ग के यदि कोई हो, जिस पर भवन का अग्र भाग आने वाला है प्रतिनिर्देश से निम्नतम मंजिल की नीव और स्तर,

(ii) प्रत्येक मंजिल की ऊंचाई और भवन की कुल ऊंचाई,

(ङ) भवन की मुख्य दीवारों से बाहर सभी निकले हुए भागों की स्थिति और विस्तार, और

(च) समस्त प्रस्तावित, मूत्रालयों, नालियों, हौदियों, शौचालयों और शौच गृहों की स्थिति ।

5 स्थल रेखांक और भवन रेखांक दोनों में, विद्यमान विशेषताएं अर्थात् भवन, वृक्ष और अन्य भूमि चिन्ह काले रंग में विद्यमान सड़कें भूरे रंग में, नालियां/नाले नीले रंग में प्रस्तावित नई, लाल रंग में और विशेषताएं जिस किसी को ढाने का प्रस्ताव है उसे हरे रंग में दर्शित किया जाएगा ।

6. समिति, किसी भी व्यक्ति से, जिसने किसी भवन के संनिर्माण या पुनःसंनिमार्ण की स्वीकृति के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, उप-विधि सं0 1 में अपेक्षित रेखांकों और विनिर्देशनों के अतिरिक्त, बाहरी दीवारों (विभाजक दीवारों, आधार छतों, भीतरी छतों, तलों, सीढ़ियों, अंगीठियों और चिमनियों के लिए प्रयोग की जाने वाली संनिर्माण सामग्री और ढंग सम्बन्धी पूरे विनिर्देशनों सहित, प्रस्तावित भवन की पूरी ऊंचाई और उसके अतिरिक्त अनुभागों को देने की अपेक्षा कर सकेगी ।

7. ऐसे भवन के मामले में जिसे कारखाने के रूप में प्रयोग किए जाने की संभावना है उससे सम्बन्धित पर्याप्त आवास व्यवस्था की जाएगी ।

8. प्रत्येक भवन की दीवारों का संनिर्णाण, अज्वलनशील सामाग्री से किया जाएगा और लगे हुए गृहों के मध्य विभाजक दीवारों के मामले में, उनकी मोटाई 23 सै0 मी0 से कम नहीं होगी ।

9. सभी भवनों की छतें अधिसूचित क्षेत्र समिति द्वारा अनुमोदित की जाने वाली अग्निरोधी सामग्री से बनाई जाएगी । छत स्थिरता को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त मजबूत होगी और उसमें गटर, वर्षा पानी पाईपों और बर्फरक्षक (स्नों गार्ड) की व्यवस्था की जाएगी नमीं को रोकने के लिए, धरालत सतह से ऊपर ईटों की दूसरी और तीसरी परत के मध्य कठोर, अभेद्य सामग्री, जैसे कि असफल्ट स्लेट, सीसा या कांचित इंटों से बनी नमी रोधी परत मिलाई जाएगी ।

10. (1) कुर्सी की सतह पर प्रत्येक भवन का तल सीमेंट कंकरीट का बनाया जाएगा । यदि धरातल पर कोई कमरा मानव अधिभोग के लिए आशयित है तो वह तल उसी स्तर पर होगा जिस पर नमी-रोधीपरत है और उसे सीमेंट कंकरीट के स्थान पर लकड़ी का बनाएं जाने की अनुज्ञा दी जा सके ।

(2) समिति मानव अधिभोग के लिए आशयित तल को कुर्सी की सतह पर लकड़ी से बनाने की स्वीकृति दे सकेगी ।

परन्तु यह तब जब कि यह देवदार के रंदा किए गए जिहवाबद्ध और खांचेदार देवदार के ऐसे तख्ते से बनाए गए हैं जो मिले हुए जोड़ के साथ ऐसी रीति से सावधानी पूर्वक बिछाए गए हों जिससे उसमें 15 सैं0 मी0 का खुला वायु स्थान रहे। परन्तु यह और कि लकड़ी के तल को परत नमी-रोधी परत से 15 सैं0 मी0 ऊपर है। ऐसा वायु स्थान पर्याप्त रूप से संवालित होना चाहिए जिससे वाहती वायु के लिए कम से कम 15 सैं0 मी0 × 23 सैं0 मी0 माप के खुले स्थान द्वारा वायु का निर्वाध परिसंचारण हो सके और उसमें कीड़े मकोड़ों को रोकने के लिए सूक्ष्म आच्छादित तार की जाली की व्यवस्था होनी चाहिए।

प्रत्येक 13.95 वर्ग मीटर तल क्षेत्र के लिए कम से कम एक ऐसे खुले स्थान की व्यवस्था की जाएगी। किसी भी स्थिति में दो से कम ऐसे संवातकों का उपबन्ध नहीं किया जाएगा।

11. प्रत्येक रहने या सोने के कमरे में अंगीठी की व्यवस्था की जाएगी। ऐसे उपयोग की जाने वाली किसी अंगीठी का संनिर्माण तब तक नहीं किया जाएगा जब तक इसके नीचे और आस पास के फर्श को 90 सैं0 मी0 की चौड़ाई तक, मिट्टी की टाइलों, कंक्रीट या किसी अन्य अग्निसह पदार्थ से आवृत करके अग्निसह नहीं बना दिया जाता है।

12. प्रत्येक अंगीठी में उसका प्रयोग करने से पूर्व, धुआं को बिना किसी बाधा के बाहर निकलने देने के लिए लोहे, ईटों या पत्थर की धुंआकस चिमनी की व्यवस्था की जाएगी।

13. कोई भी धुंआकस उसके निकास स्थान के सिवाये, जिसे कम से कम 30 सैं0मी0 मोटी अज्वलनशील सामग्री लगाकर सुरक्षित किया जाएगा इस प्रकार से नहीं बनाया जाएगा कि वह ऐसी किसी दीवार या संरचना के जो ज्वलनशील सामग्री से बनाई गई है, 45 सैं0 मीटर भीतर से हो कर जाए या रहें।

14. कोई खुली मल-नाली या नाली किसी भवन में, रहने या सोने के कमरे के रूप में उपयोग किए जाने वाले या उपयोग किए जाने के आशयित किसी कमरे में से होकर नहीं निकाली जाएगी।

15. किसी भी नाली की संरचना किसी भवन की किसी दीवार की मोटाई भीतर नहीं की जाएगी।

16. छत के जल निकास के लिए सभी स्टैक पाईपें ढलवां लोहे या जी0 आई0 शीट के होंगे जो 24 एस0 डब्ल्यू0 जी0 से पतली नहीं होगी।

17. रसोई-गृह भलीभांति प्रकाशमय और संवातित ऐसे कमरे में होगा जिसमें रुढ़ि के अनुसार भोजन तैयार किया जा सके और रसोई गृह में धुंआ फैलने से रोकने के लिए प्रभावकारी धुंआकस या अन्य व्यवस्था के साथ उपयुक्त अंगीठी की व्यवस्था और एक उपयुक्त सिंक की व्यवस्था की जाएगी जिसमें उपयोग के उपरान्त भोजन पकाने के बर्त्तन या प्लेटें आदि धोई जा सकें। रसोई में दो ताखों वाली दीवार की अलमारी का उपबन्ध भी किया जाएगा। यह दीवार में अंगीठी से दूर लगाई जाएगी और जाली वाली छेददार ईटों से पर्याप्त संवातित और मक्खियों से सुरक्षित रखी जाएगी। रसोई गृह के दरवाजों और खिड़कियों को उन पर तार की जाली की व्यवस्था करके मक्खी-रोधी बनाया जाएगा।

18. प्रत्येक शौचालय, शौचगृह, मुत्रालय. स्नानगृह और पाक स्थल में, गलेज स्टोन बैयर पाईपों या अन्य अभेद्य सामग्री से निर्मित नाली की व्यवस्था की जाएगी और जहां कोई अन्य विकल्प नहीं वहां वह शौचालय, शौचगृह, स्नानगृह या पाक स्थल के बहाव को नगर निगम की नाली से जोड़ेगी :

परन्तु जहां मल निकास संयोजन संभव है, वहां समस्त घरेलू मल-जल को, जल वाही पद्धति से अवश्य जोड़ा जाना चाहिए और जहां तक संभव हो सभी पुराने/नए घरों में, शुष्क शौचालयों के स्थान पर, स्वक्षालन या जल बहाऊ शौचालयों का उपबन्ध किया जाना चाहिए।

19. प्रत्येक शौचालय, शौचगृह और मुत्रालय आकार में कम से कम 90 सै0 मी0×90 सै0 मी0 (आंतरिक विस्तार) का होगा और दीवार तथा दीवारों और फर्श के जोड़ सफाई में सुविधा प्रदान करने के लिए गोलाकार बनाए जाएंगे।

20. चिनाई शौचालय और शौचगृह की, जो खुष्क पद्धति के हैं इस प्रकार संरचना की जाएगी कि समग्र ठोस पदार्थ सीधे धातु, या मिट्टी के और समति द्वारा अनुमोदित प्रकार के चलपात्र में गिरे जो सीट के निकट नीचे फिट किया गया हो।

21. प्रत्येक शौचालय, शौच गृह और मुत्रालय का फर्श :—

(क) अमेद्य चिनाई, सामग्री असकाल्ट टाईल्स् या सीमैंट की होगी;
(ख) उसका प्रत्येक भाग शौचालय, शौचगृह या मुत्रालय को जोड़ने वाली सतह या अग्रभाग के तल से कम से कम 8 सै0 मी0 की ऊंचाई पर होगा;
(ग) चिकना बनाया जाएगा या उसकी ढ़लान नाली की ओर इस प्रकार होगी कि समग्र तरल पदार्थ जल्दी से बह जाए।

22. प्रत्येक शौचालय, शौचगृह और मुत्रालय, फर्श के ऊपर 90 सै0 मी0 की ऊंचाई तक की दीवारें और प्रत्येक शौचालय और शौचगृह में सीट, धातु या चिनाई सामग्री की होगी।

परन्तु युरोपीय प्रकार के शौचघर की स्थिति में सीट लकड़ी की भी हो सकेगी।

23. प्रत्येक शौचालय, शौचगृह और मुत्रालय पर्याप्त रूप से संवातित होगा। जो किसी भवन में या उसके निकट शौचालय, शौचगृह मुत्रालय स्थित होने की दशा में ऐसा खुला स्थान/स्थानों को छोड़कर किया जाएगा जो किसी एक दीवार में और छत्त के यथासादय निकट कम से कम 0.229 वर्ग मीटर का होगा और उसका सम्पर्क सीधा खुली हवा से होगा।

24. प्रत्येक मूत्रालय, शौचगृह की संरचना इस प्रकार की जाएगी कि :—

(क) सफाई के प्रयोजनार्थ, वहां तक पर्याप्त पहुंच होगी, और
(ख) जब उसका बाहरी दरवाजा खुला हो तो सीटें मार्ग या अन्य सार्वजनिक स्थान से दिखाई नहीं देगी।

25. (i) कोई भी व्यक्ति अपने घर में जल स्वच्छालन शौचालय तक संस्थापित नहीं करेगा जब तक इसे नगरपालिका की मल नाली से नहीं जोड़ दिया जाता है या जब तक कि समुचित रूप से सुनिश्चित, पर्याप्त आकार के सैपटिक टैंक में, मल जल को शुद्ध करने की और वहिस्रावः को नगरपलिका की मल नाली में या ऐसी मल जल नाली में निकलने की व्यवस्था नहीं जिसके बारे में नगरपालिका इंजीनियर और स्वास्थ्य के चिकित्सा अधिकारी द्वारा यह प्रमाणित किया गया हो कि वह लोक स्वास्थ्य को खतरा पहुंचाए बिना निःस्राव को बहाने में सक्षम है ऐसे संस्थापन का संनिर्माण स्वच्छता इंजीनियर के प्रयवेक्षणाधीन किया जाएगा और प्रयोग किए जाने से पूर्व उसका अनुमोदन नगरपालिका ईजीनियर द्वारा किया जाएगा।

(ii) कोई भी व्यक्ति, सैपटिक टैंक से निःस्राव का निपटान, सतह सिंचाई या अवमृदानाली या बिना पक्की हौदियों द्वारा नहीं करेगा।

26. योरोपीय या भारतीय प्रकार के शौचघर से भिन्न कोई अन्य शौचगृह भवन के किसी उपरीतल में तब तक नहीं रखा जाएगा। जब तक चलपात्रों की व्यवस्था नहीं कर दी जाती है।

27. कोई व्यक्ति प्राईवेट हौदी नहीं बनाएगा :—

(क) यदि उस परिसर के जिसके लिए वह अपेक्षित है 45 मीटर के भीतर नगरनिगम नाली है।

(ख) सिवाय ऐसी हौदियों के जो पक्की चिनाई सामग्री की हैं सिमेन्ट की गई है, जिसकी सतह पर लोहे के चद्दरपात्र लगे हैं और जिसके साथ हवा बन्द ढ़क्कन हों जिससे हाक गाड़ी द्वारा मल जल का व्ययन किया जा सके।

(ग) जब तक उसमें उसकी सफाई के लिए पर्याप्त पहुंच की व्यवस्था नहीं कर दी जाती है।

(घ) जब तक उपयुक्त स्थल या ठीक प्रकार का धरातल न होने के कारण आभूषणगर्त बनाना अन्यवहार्य या असम्भव है ;

28. मार्ग में किसी भवन का कोई भाग जिससे अग्रभाग, की रेखा समिति के प्रस्तावों द्वारा नियत की गयी है, ऐसे अग्रभाग की रेखा से आगे नहीं बनाया जाएगा और न ही भवन का दरवाजा इस प्रकार बनाया जाएगा कि उसके खोलने से मार्ग का अतिक्रमण हो।

29. कोई भी भवन स्टेशन वार्ड में की सड़क के या सार्वजनिक मार्ग के किनारे के 4.50 मीटर के भीतर नहीं बनाया जाएगा।

टिप्पण.—यह बाजार क्षेत्र पर लागू नहीं होगा, जहां दुकानों के अग्रभाग की रेखा पहले ही नियत की गई है।

30. मानव अधियोग के लिए आशयित कोई भी भवन पहाड़ी की ओर 150 सैं0 मी0 के भीतर तब तक नहीं बनाया जाएगा जबकि वहां चौड़ाई के 90 सैं0 मी0 से अन्यन और ऐसी पहाड़ी और ऐसी पहाड़ी की ओर की भवन की किसी दीवार के प्रत्येक भाग के मध्य आकाश की ओर खुला खाली स्थान न हो :

परन्तु भवन और पहाड़ी के बीच संचार के लिए ऐसे खाली स्थान के आर-पार पुल बनाया जा सकेगा या बनाये जा सकेंगे। किन्तु वे शुष्क क्षेत्र के 25 प्रतिशत से अधिक स्थान नहीं घेरेंगें।

टिप्पण:—यह उप-विधि साधारण तथा बाजार क्षेत्र पर लागू नहीं होगी और जहां खुश्क क्षेत्र का उपबन्ध करना संभव नहीं है वहां पहाड़ी की ओर सामने गुहा बनाने की अनुमति दी जा सकेगी।

31. कोई भी व्यक्ति रहने या सोने के कमरे के रूप में उपयोग के लिए कोई कमरा तब तक नहीं संन्निर्मित करेगा जब तक प्रकाश या संवात के प्रयोजन के लिए उसमें एक या अधिक ऐसी खिड़कियों की व्यवस्था नहीं है, जिसका कुछ क्षेत्र दरवाजों और अन्य छिद्रों के साथ मिलकर ऐसे कमरे के तल क्षेत्र के कम से कम एक चौथाई के बराबर होगा प्रत्येक ऐसे दरवाजे और खिड़की का संनिर्माण इस प्रकार किया जाएगा कि पूरे खोले जा सकें।

32. कोई भी व्यक्ति, रहने या सोने के कमरे के रूप में उपयोग किए जाने के लिए कोई कमरा जिसका ऊपरी तल क्षेत्र 13.39 वर्ग मीटर से कम है तब तक नहीं बनाएगा जब तक उसमें वायु का निर्बाध परिचालन न हो।

33. (1) एक तल्ले के भवन की दशा में, ऐसे प्रत्येक कमरे की ऊंचाई जो मानव अधियोग के लिए आशायित है फर्श से छत्त तक मापने पर 255 सैं0 मी0 से कम नहीं होगी।

(2) एक से अधिक तल्ले के भवन की दशा में, जिसमें भूमि तल सम्मिलित है प्रत्येक तल की ऊंचाई भूमि तल की दशा में 255 सैं0 मी0 और प्रत्येक अन्य तल की दशा में 240 सैं0 मी0 से कम नहीं होगी।

(3) किसी भवन का ऐसा प्रत्येक क्षितिज विभाजन जो इस प्रकार से संनिर्मित किया गया है कि उसे वास योग्य बनाया जा सके। इस उप-विधि के प्रयोजनार्थ, तला समझा जाएगा चाहे ऐसे विभाजन का विस्तार भवन की पूर्ण गहराई या चौड़ाई तक न हो ;

(4) इस उप-विधि के प्रयोजनार्थ तल्ले की ऊंचाई की संगणना निम्न प्रकार से की जाएगी :–

(*i*) एक तल्ले के भवन और एक से अधिक तल्ले के भवन में सबसे ऊपर वाले तल्ले की दशा में भवन के भीतर दीवारों के साथ किसी बिन्दु पर फर्श की ऊपरी सतह की ऊंचाई से टाई बीम के नीचे की ओर की ऊंचाई तक या यदि उसमें टाई बीम नहीं है तो बाहरी दीवारों और छत के मिलन बिन्दु तक ;

(*ii*) एक तल्ले से अधिक के किसी भवन की सबसे ऊपर के तल्ले के सिवाय, किसी तल्ले की दशा में फर्श की ऊपरी सतह की ऊंचाई से बीम के ऊपर की ओर की या जोड़ों को ऊंचाई तक जिन पर ऊपरी तल टिकी है या यदि वह तल छत बन्द है तो छत्त की भीतरी ओर की ऊंचाई तक ;

(*iii*) बाजार क्षेत्र और ऐसे अन्य सभी क्षेत्रों में, जो समिति द्वारा तंग क्षेत्र समझे जाएं, मार्ग के दक्षिण की ओर संसक्त प्रत्येक भवन की संरचना इस प्रकार की जाएगी कि वह अधिक से अधिक $37\frac{1}{2}°$ के भवन कोण में रहें। मार्ग के अन्य ओर संसक्त भवन की दशा में अधिक से अधिक 45° भवन कोण की अनुज्ञा दी जा सकेगी।

टिप्पण.––भवन कोण पद से वह कोण अभिप्रेत है जो मार्ग की ऊंचाई पर क्षितिज रेखा और प्रस्तावित भवन के उच्चतर बिन्दु से प्रस्तावित भवन के सामने के मार्ग के दुस्तर किनारे तक खींची गई रेखा के मध्य बनता है।

34. (क) एक से अधिक किन्तु तीन से अनाधिक तल्लों के, जिनमें भूमि तक सम्मिलित है, प्रत्येक भवन में कम से कम 90 सैं0 मीटर चौड़ाई की स्पष्ट और निर्बाध सीढ़ी की व्यवस्था की जाएगी।

(ख) तीन से अधिक तल्लों के जिसमें भूमि सम्मिलित है (प्रत्येक भवन में, सबसे ऊपरी तल्ले और उससे नीचे के तल्ले के लिए कम से कम 90 सैं0 मीटर की स्पष्ट चौड़ाई की सीढ़ी की व्यवस्था की जाएगी और नीचे के प्रत्येक अतिरिक्त तल्ले के लिए इसकी चौड़ाई में 15 सैंटीमीटर की वृद्धि की जाएगी जिससे पांच तल्ले के भवन की दशा में नितल पर सीढ़ी 135 सैंटीमीटर चौड़ी होगी।

(ग) सीढ़ी में कोई भी सोपान 28 सैं0 मी0 से अधिक ऊंचाई और 125 सैं0 मी0 से कम चौड़ा नहीं होगा ;

(घ) प्रत्येक सीढ़ी को इस प्रकार से निर्मित करना चाहिए ताकि उसके सभी भागों में दिन के प्रकाश से उजाला हो सके।

35. कोई भी रास्ता 105 सैं0 मी0 से कम चौड़ा नहीं बनाया जाएगा और दो सीढ़ियों को जोड़ने वाला रास्ता चौड़ी सीढ़ियों के लिए अपेक्षित चौड़ाई के बराबर और स्पष्ट और अबैध रूप में चौड़ा बनाया जाएगा।

36. कोई भी व्यक्ति पांच तल्लों से अधिक का जिसमें भूमितल सम्मिलित है, भवन संनिर्मित नहीं करेगा और कोई व्यक्ति ऐसे दो से अधिक तल्लों का भवन तब तक नहीं संनिर्मित करेगा जब तक ऐसे भवनों की बाहरी दीवारें, ईटों, पत्थरों और प्रबलित कन्क्रीट की नहीं बनाई जाती है।

37. खाद्य पदार्थों के भण्डार करने के लिए उपयोग किए जाने के लिए आशयित प्रत्येक गोदाम की फर्श सीमेंट कन्क्रीट की बनायी जाएगी और यह भूमितल की दशा में 15 सैं0 मी0 से कम मोटाई की नहीं होगी और

अन्य तल्लों की दशा में प्रवलित सीमेंट कन्क्रीट की होगी और उसकी डिजाईन अधिसूचित क्षेत्र समिति द्वारा अनुमोदित की जानी चाहिए।

38. ऐसे भवनों को जो कृषकों द्वारा अपने निवास या कृषि या कृषि से सहायक प्रयोजन के लिए साद्भाविक रूप से सद्भावित अपेक्षित है, इन उप-विधियों के प्रवर्तन से छूट होगी :

परन्तु यह तब जब ऐसे भवन कृषक के कृषि क्षेत्र में या आबादी देह में निर्मित या स्थित है।

टिप्पण:—कृषक से इन उप-विधियों के प्रयोजनार्थ ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो अधिसूचित क्षेत्र समिति सुजानपुर टीरा की सीमाओं के भीतर भूमि जोत कर अपनी आजीविका का उपार्जन करता है और इसके अन्तगत उसके कुटम्ब के ऐसे सदस्य भी हैं जो उस पर आश्रित हों।

39. ऐसे नये भवन या पुराने भवन के परिवर्धन की दशा में, जिसे समिति द्वारा मंजूरी दी गई है ऐसे किसी भवन या परिवर्धन का अधियोग करना या अधियोग करने की अनुमति देना तब तक एक अपराध होगा जब तक कि पूरा होने का एक प्रमाण पत्र स्वामी द्वारा नहीं दिया जाता है और नगरपालिका इंजीनियर और स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी, और यदि आवश्यक हो जल संकर्म एवं जल निकास इंजीनियर, विद्युत इंजीनियर द्वारा अनुप्रमाणित नहीं किया जाता है कि भवन मंजूर किया जायेगा, रेखांक के अनुसार ही बनाया गया है और कोई अनाधिकार परिवर्धन या विचलन नहीं किया गया है।

प्ररूप—(क)

(उप-विधि संख्या 1 देखें)

(इस ओर की सभी परिविष्टियां आवेदक द्वारा भरी जानी है)

प्रेषक

.....

.....

सेवा में,

सचिव,
अधिसूचित क्षेत्र समिति,
सुजानपुर टीरा।

मैं एतद् द्वारा अध्यक्ष. ..... में स्थित नीचे यथा विनिर्दिष्ट स्थावर अधिक्रमण का संनिर्माण/ पुनः संनिमार्ण करने की अनुज्ञा के लिए हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1968 की धारा 200 के अधीन आवेदन करता हूं।

मैं समिति की उप-विधियों द्वारा यथा अपेक्षित रेखांक, रेखाचित्र और विनिर्देशनों की दो प्रतियां संलग्न करता हूं।

हस्ताक्षर.....

तारीख.....

विनिर्देशन.....

प्ररूप (क)

(इस ओर की सभी प्रविष्टियां अधिसूचित क्षेत्र समिति द्वारा भरी जानी है)

आवेदन पत्र की क्रम संख्या.....

भवन का स्थल .....

(मार्ग, मकान आदि का नाम)

आवेदन पत्र का सार..... ।

सचिव द्वारा तारीख .....को प्राप्त किया गया।

सचिव के हस्ताक्षर ।

सचिव को तारीख .....को वापस किया गया।

हस्ताक्षर ।

यदि आवेदन पत्र नियमों के अधीन ग्राह्य है और उप-विधियों के अनुसार पूर्ण है तथा अधिसूचित क्षेत्र समिति के अभियन्ता को यदि कोई हो, रिपोर्ट के लिए तारीख ..... को अग्रेषित सचिव को तारीख.....को वापस किया गया ।

सचिव के हस्ताक्षर ।

हस्ताक्षर

.....को प्रस्तुत किया गया।

(सचिव के हस्ताक्षर) ..... ।

समिति के आदेश का सार..... ।

.....

सचिव के हस्ताक्षर ।

प्ररूप (ख)

प्रस्तावित भवन संनिर्माण का विनिर्देशन

गृह के पूरा या उसके प्रचुर भाग ..... के पुनः संनिर्माण की स्थिति में :—

(क) गृह के पुनः संनिर्माण की दशा में पुनः संनिर्माण किए जाने वाले गृह की संख्या। .....
(ख) वह प्रयोजन जिसके लिए भवन का उपयोग किया जाना आशयित है. ..... ;
(ग) दीवारों, दरवाजों और छतों के संनिर्माण में उपयोग की जाने वाली सामग्री ..... ;

(घ) जितने तल्लों का भवन बनाया जाना है, उनकी संख्या. . . . . ;

(ङ) सभी दरवाजों, खिड़कियों और संचातन द्वारों की स्थिति और उनका विस्तार;

(च) निवासियों की अनुमानति संख्या जिन्हें निवास सुविधा उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है . . . . . ;

(छ) शौचालयों की संख्या जिनका उपबन्ध किया जाना है . . . . . ;

(ज) क्या स्थल पर पहले निर्माण किया गया है या नहीं जो अधियोग के लिए उपयुक्त है . . . . . ;

(झ) भवन के सामने निर्वाध गुजरने का रास्ता . . . . . ;

(ञ) निर्वाध वायु संचारण कूड़ा कर्कट को उठाना और अग्नि के निवारण को सुनिश्चित करने के लिए भवन के चारों ओर छोड़ा जाने वाला स्थान . . . . . ;

(ट) छत्त और भूमि के गृह जल निकास के निपटान का ढंग . . . . . :

(i) यदि भवन किसी मार्ग से संसक्त है तो निकटवर्ती भवनों के साथ अग्रभाग की रेखा . . . .

(ii) छोटे मोटे परिवर्तन या परिवर्धन की स्थिति में—

(क) प्रस्तावित परिवर्तनों या परिवर्धनों का वर्णन . . . . . ;

(ख) ऐसे परिवर्तनों या परिवर्धनों में उपयोग की जाने वाली सामग्री . . . . . ;

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित,
सचिव ।

[*Authoritative English Text of Notification No. LSG-(B)(3)7/82, dated* 2-11-84 *as required under Article* 348(3) *of the Constitution of India*].

LOCAL SELF GOVERNMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 2nd November, 1984

No. LSG (B) (3) 7/82.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 215 of the Himachal Pradesh Municipal Act, 1968 (Act No. 19 of 1968), the Governor, Himachal Pradesh is pleased to confirm the following bye-laws made by the Notified Area Committee, Sujanpur Tira, District Hamirpur, H.P., under section 199 and 200 of the said Act, the same having been previously published as required by section 214 of the said Act, and are hereby published for general information and shall come into force within the limits of Notified Area Committee, Sujanpur Tira in District Hamirpur, H.P. from the date of their publication in the Himachal Pradesh Rajpatra :—

The Notified Area Committee, S janpur Tira building Bye-laws, 1983 :

(1) Every person intending to construct or re-construct any building shall have to apply for such intention in writing to the Secretary of Notified Area Committee, Sujanpur Tira, in Form 'A' appended to these bye-laws and shall at the same time submit:—

(*a*) a site plan on tracing cloth of the land on which it is intended to construct or re-construct the buildings ;

(*b*) the specification to be adopted as detailed in Form 'B' appended to these bye-laws.

(2) Copies of forms 'A' and 'B' may be obtained free of charge from the office of the Notified Area Committee, Sujanpur Tira.

(3) In the case of a structure proposed to be constructed on a site adjacent to a public street/road under the control of management of the Public Works Department of Government or of any other local authority, the applicant shall submit the plans and specifications in triplicate and one complete set of the plans shall immediately on presentation be forwarded by the Committee to be the Executive Engineer or to the other Local Body concerned for information and approval.

Note.—One complete set of plans must be on tracing cloth, but the other may be ferro copies, provided that all lines are sharp and the lettering and dimensions are clear and distinct.

2. The site plan shall be drawn on tracing cloth to a scale of 12 meters to 2.5 cm. and shall bear an index a explaining any special colours and symbols used and shall show:—

(*a*) the direction of the North point ;
(*b*) the boundaries of the site ;
(*c*) the position of the site in relation to neighbouring streets and level of the site in relation to the street, if any ;
(*d*) the nature of the building ;
(*e*) the position of the proposed building in relation to :
  (*i*) neighbouring structures on all sides;
  (*ii*) the boundaries of the site ;
(*f*) the position of all drains and receivers on or adjacent to the site; and
(*g*) the scale to which drawn.

3. The site plan shall also show all important features, such as fencing boundary pillars, telegraph and electric light poles with their lines of wire, trees, paths, steps and drains on or adjacent to the site. The names of all such features marked on the plan shall be clearly written.

4. The building plan shall be drawn, on a tracing cloth, to a scale 1.50 to 1.100 in metric units or 120 cm. and not more than 240 cm. to 2.5 cm. and shall show:—

(*a*) the nature of the proposed building;
(*b*) the purpose for which it is intended to use the proposed building and its various parts (in describing the use of various rooms the word 'godown' may be used only to describe a room which is meant for storage purposes only and which is not intended for human occupation.
(*c*) the plan and dimensions of the ground floor and of every additional floor including all corridoors, stairs, door and windows ;
(*d*) a section and elevation of the proposed building with full dimension showing:—
  (*i*) the foundation and level of the lowest floor with reference to the level of the ground all round the building and to the centre of the street, if any, on which the front of the building is to be abut ; and
  (*ii*) the height of each storey and the total height of the building.
(*e*) and position and dimensions of all projections beyond the main walls of the building ; and
(*f*) the position of all proposed urinals, drains, cesspols, latrines and privies.

5. In both the site plan and building plan the existing features namely, buildings, trees and other land marks shall be shown in black, existing roads in brown, drains/ nullah in blue, proposed new feature in red, and any proposed demolition in green.

6. The Committee may require any person who has submitted an application for sanction to construct or re-construct any building to submit in addition to the plans and specifications required in bye-laws No. 1. The complete elevation and additional sections of the proposed building with full specifications regarding the material and method of construction to be used for external walls, foundation roofs, ceilings, floors, stair cases, fire places and chimneys.

7. In the cases of building likely to be used as a factory, adequate provision shall be made for housing accommodation in connection therewith.

8. The walls of every buildings shall be constructed of non-inflamable material and in the case of partition walls between adjoining houses, their thickness shall be not less than 23 cm.

9. All buildings shall be roofed with a fire resisting material to be approved by the Notified Area Committee. The roof shall of sufficient strength to ensure stability and shall be provided with a adequate gutters, rainwater pipes and snow guards. A damp proof course composed of some hard impermeable material such as asphalt, slate, lead or vitrified bricks shall be included between the second and third course of bricks above the ground level in order to prevent dampness.

10. (*i*) The floor of every building at plinth level shall be made of cement concrete. If a room on the ground floor is intended for human occupation the floor shall be at the same level as the damproof course and may be allowed to be of wood instead of cement concrete.

(*ii*) The Committee may sanction a floor intended or human occupation at plinth level to be built of wood provided that this is made of planed, tongued and proved or rebated deodar planks laid carefully with close joints in such a manner as to permit of a clear air space of 15 cm. and provided further that the level of the wooden floor is 15 cm. above that of the damproof course. Such air space must be adequately ventilated to allow free circulation of air by openings measuring at least 15 cm × 23 cm to the external air and provided with fine marked wire-gauge to exclude vermin. At least one such opening shall be provided for every 13.95 sqr. metres of floor area. In no case shall fewer than two such ventilators be provided.

11. Every living or sleeping room shall be provided with a fire place. No fire place to be used as such shall be constructed unless the floor beneath it and around it for a width of 90 cm. has been rendered fire-proof by being covered with the earthenware tiles or concrete or some other fire-proof substance.

12. Every fire place shall, before use as such, be provided with a chimney with an iron, brick or stone flue to afford free means of exit for smoke.

13. No flue shall be constructed as to pass through or be within 45 cm of any wall or structure male of inflameable material except at its point of exit, on which it shall be rendered safe by causing of non-inflameable material at least 30 cm. thick.

14. Any open sewer or drain shall not pass through any room used or intended to be used as living or sleeping room in a building.

15. No drain shall be constructed within the thickness of any wall of any building.

16. All stack pipes for the disposal of roof drainage shall be of cast iron or G.I. sheet not thinner than 24 S.W.G.

17. The kitchen shall consist of a lit and ventilated room in which the food could be prepared according to custom, a proper fire place with an effective flue, or other arrangement to prevent any smoke invading the kitchen and a suitable sink in which cooking utensils, plates, etc, can be washed after use. A wall cupboard with two shelves prepare shall be provided in the kitchen. It shall be placed in the wall a way from the fire place and shall be ventilate adequately with gauge air brick and protacted from flies. Doors and windows in the kitchen will be made flyproof by providing wiregauge on them.

18. Every latrine, privy, urinal, bathroom and cooking place shall be provided with a drain constructed of pipes of glazed stoneware or other impervious material and connecting the floor where no other alternative is possible :

Provided that where a sewer connection is possible, connection to the water carried system for all household sullage mus invariably be made and wherever possible all old/new houses should be provided with flush or water bourne latrines rather than dry ones.

19. Every latrine, privy and urinal shall be at least 90 cm×90 cm size (internal dimensions) and all junctions of walls and of the floor and walls shall be rounded in order to facilitate cleaning.

20. Masonary latrines and privies which are on the dry system shall be so constructed that all solids fall directly into a moveable respectacle of metal or pottery and of a pattern approved by the Committee, fittings close beneath the seat.

21. The floor of every latrine, privy and urinal:—

(*a*) shall be of impervious masonary, asphalt, tiles or cement ;
(*b*) shall be in every part at a eight of not less than 8 cm above the level of surface or the front adjoining the latrine, privy or urinal; and
(*c*) shall be made smooth and shall slope to the drain in a way that all liquid will flow off quickly.

22. Every latrine, privy and urinal, the walls at a height of 90 cm above the floor, and the seat in every latrine and privy shall be of metal or masonary, provided in the case of water close of European type the seat may be of wood.

23. Every latrine, privy and urinal shall be provided with adequate ventilation which in the case of a latrine, privy or urinal situated in or near a building, shall be effected by an opening or openings which shall not be less than 0.0929 sqr. meters in area in one of the walls and as near the roof as may be practicable and communicating directly with the open air.

24. Every latrine or privy shall be so constructed that:—

(*a*) there shall be adequate access thereto for the purpose of cleansing; and

(*b*) when the outer door thereof is open, the seats shall not be visible from the street or other public place.

25. (*i*) No person shall install water flushed latrines in his house unless it is connected with the municipal sewer or unless arrangements are made to purify the sewerage in a properly constructed septic tank of suitable size and to discharge the effluent into a municipal sewer or into a sullage drain certified by the Municipal Engineer and Medical Officer of health to be capable of carrying off the effluent without danger to the health of the public. Such installation shall be constructed under the supervision of a Sanitary Engineer and shall be approved by the Municipal Engineer before they are taken into use.

(*ii*) No person shall dispose of the effluent from a septic tank by surface irrigation or by subsoil drainage or an open unlinked cesspool.

26. No privy other than a water closet of the European or Indian type shall be placed on any upper floor of a building unless moveable respecticles are provided.

27. No person shall construct a private cesspool:—

(*a*) if there is a Municipal drain within 45 meters of the premises for which it is required;

(*b*) except a cesspool of masonary in line, cemented the surface with an iron moveable respectable and an air tight cover to allow the disposal of sullage by hand carriage;

(*c*) unless adequate access is provided thereto for the purpose of cleaning it; and

(*d*) unless it is impracticable, or impossible by reason of lack of a suitable site or because of the nature of the ground to built a seakage pit.

28. No portion of any building in a street in which a line of frontage has been fixed by a resolution of the Committee shall be built to project beyond such line of frontage, nor shall the door of any building be made so as to encroach on a street when opened.

29. No building shall be constructed within 4.50 meters of the edge of road or a public street in the station ward.

Note.—This will not apply to the bazar area, where the frontage line of shops is already fixed.

30. No building intended for human occupation shall be constructed within 150 cm of a hill side unless there is a clear space not less than 90 cm in width and open to the sky between such hill side and every part of any wall of the building facing such hill side; provided that such clear space may be traversed by a bridge or bridges giving communication between the building and the hill side but covering not more than 25 per cent of the dry area.

Note.—This bye-law will not generally apply in the bazar area and where provision of dry area is not feasible, a cavity shall be allowed against the hillside.

31. No person shall construct any room to be used as a living or sleeping room unless it is provided for the purpose of a light and ventilation with one or more windows, which with the doors or other apertures shall have a total area equal to not less than one-fourth of the floor area of such room. Every such door or window shall be so constructed that the whole of it can be opened.

32. No person shall construct any room to be used as a living or sleeping room with a superficial floor area of less than 13.39 sqr. meters unless it is given full circulation of air.

33. (1) In the case of building consisting of a single storey the height of every room intended for human habitation shall be not less than 255 cm. measured from floor to ceiling.

(2) in the case of building of more than one storey, including the ground floor, the height of each storey shall be not less than 255 cm. in the case of ground floor and 240 cm. in the case of every other floor ;

(3) every horizontal division of a builiding so constructed as to make it habitable shall be considered to be a storey for the purpose of this bye-law even though such division may not extend over the whole depth or width of the building ;

(4) For the purpose of this bye-law the height of a storey shall be reckoned as follows:—

(i) in the case of single storeyed building and off the upper most storey of a building of more than one storey, from the level of upper surface of the floor at any point along the walls within the building to the level of the underside of the tie-beam, or if there is a no tie-beam to the meeting point of the outside walls and roof;

(*ii*) in the case of any storey, except the upper most storey of a building of more than one storey from the level of the upper surface or the floor to the level of the upper side of the beams or joints on which the floor above rests, or if the floor above is ceiled to the level of the underside of the ceiling ;

(*iii*) in the bazar area and all other areas which may be considered to be congested areas by the Committee every building abutting on the southern side of a street shall be so constructed as to be within a building angle of not more than 37½ degree. In the case of building abutting on the other side of a strect a building angle not exceeding 45 degree may be allowed.

Note.—The term building angle means the angle formed between the horizental line at street level and a line drawn from the higher point of the proposed building to the further and of the street opposite to the proposed building.

34. (*a*) Every building of more than one but not more than three storeys, including the ground floor, shall be provided with a stair-case of a clear and enobstructed width of not less than 90 cm;

(*b*) every building of more than three storeys (including the ground floor) shall be provided with a staircase of a clear width of not less than 90 cm for the top storey and one immediately below it and this shall be increased in width by 15 cm. for every lower additional storey so that in the case of five storeyed building the staircase will be 135 cm. width at the bottom ;

(*c*) no step in a staircase shall be more than 18 cm. in height or less than 1.25 cm. in breadth.

(*d*) every staircase must be so constructed that the day light will be provided adequate illumination in all parts.

35. No passage shall be constructed of a wedth of less than 105 cm. and every passage connecting two stiar cases shall have a clear and undistructed width equal to that required for the wider staircase.

36. No person shall construct any building of more than five storeys, including the ground floor and no person shall construct any building of more than two such storeys unless the outer walls of such buildings are made of brick, stone or reinforced concrete .

37. The floor of every godown intended to be used for the storage of foodgrains shall be made of cement concerte and shall not be less than 15 cm. thick in the case of ground floor but in case of other floor it shall be of reinforced cement concrete, design of which should be approved by the Notified Area Committee.

38. Building bonafide required by agriculturists for their own residence or for purpose of agriculture or for purpose sub-servient to agriculture shall be exempted from operation of these bye-laws provided such buildings are erected or situated within the agricultural holding of the agriculturist or in a bad hideh.

Note.—Agriculturist for the purpose of these bye-laws means a persons who earns his living by tilling the land within the limits of Sujanpur Tira Notified Area Committee and include such members of his family as may be dependent upon him.

39. It shall be an offence, in the case of a new building or additions to an old building sanctioned by the Committee to occupy or permit the occupation of such a building or addition until a completion certificate is given by the owner and attested by the Municipal Engineer and Medical Officer of Health and if necessary by the Engineer, Water Works and Drainage and the Electrical Engineer of the Committee, that the house has actually been constructed according to the sanctioned plan and that no unauthorised additions or deviations have been made. The attestation will be completed and communicated to the owner within 15 days of the receipt of the completion certificate.

FORM 'A'

(*See* Bye-laws No. 1)

(All entries on this side to be filled in by the applicant)

From

.....

.....

To

The Secretary,

Notified Area Committee, Sujanpur-Tira.

Sir,

I hereby apply under section 200 of the Himachal Pradesh Municipal Act, 1968 for permission to construct/re-construct an immovable encroachment as specified below, situated in.....

I attach the plans, drawing and specifications in duplicate as required by the Committee bye-laws.

Signature.....

Date.....

Specification.....

FORM 'A'

(All entries on this side to be filled in the Notified Area Committee).

Serial No. of application.....site of building (name of street, quarter, etc.).....
abstract of application.....
Received by the Secretary on.....

Signature of the Secretary.

Returned to Secretary on.....Signature.....

Forwarded to the Municipal Engineer if any for report if the application is admissible under the rules and if it completes with bye-laws on.....

Signature of Secretary.

Returned to the Secretary on.....

Signature.....

Submitted to.....

(Signature of Secretary).....

Abstract of order of the Committee.....

Signature of the Secretary.....

FORM 'B'

Specification of proposed building construction.

In the case of the.....of an entire or considerable.
(re-construction)

Portion of a house:—

(*a*) in the case of re-construction of a house, the house number, of the house to be re-construction;

(*b*) the purpose for which it is indented to use the building.....

(*c*) the material to be used in construction of the walls, door and roofs.....;

(*d*) the number of storeys of which the building will consist.....;

(*e*) the position and the dimensions of all doors, windows and ventilation openings.....;

(*f*) the approximate number if inhabitants proposed to be accommodated .....;

(*g*) the number of latrines to be provided .....;

(*h*) whether the site has been built upon before or not, to be fit for occupation .....;

(*i*) the free passage way in front of the building .....;

(*j*) the space to be left around the building to secure free circulation of air to facilitate scavenging and for the prevention of fire .....;

(*k*) the mathod of disposal of the roof and house drainage of the land .....;

(*l*) the line of frontage with the neighbouring buildings, if the building abuts on a street .....;

(*ii*) in the case of minor alterations or additions :—

(*a*) a description of the alterations or additions proposed .....;

(*b*) the material to be used for such alterations or additions.....

Signature .....

By order,
B. C. NEGI,
Secretary.

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हि० प्र०, शिमला-5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित।

रजिस्टर्ड नं० पी०/एस०एम० 14.

राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 19 जनवरी, 1985/29 पौष, 1906

हिमाचल प्रदेश सरकार

LOCAL SELF GOVERNMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 4th December, 1984

No. LSG-(A)(17)13/83.—The following bye-laws made by the Municipal Corporation Shimla, District Shimla in exercise of the powers conferred by section 395-J(2) of the Himachal Pradesh Municipal Corporation Act, 1979 (Act No. 9 of 1980) having been approved by the Governor, Himachal Pradesh as required under section 397 of the aforesaid Act are hereby published for general information and shall come into force within the area of the Municipal Corporation, Shimla from the date of publication of this notification in the Rajpatra, Himachal Pradesh:

Draft bye-laws entitled Shimla Municipal Corporation, Appointment of Resident Agent Bye-laws, 1984.

The bye-laws regarding the appointment of agents under section 395-J (2) of the Himachal Pradesh Municipal Corporation Act, 1979.

1. Short title and commencement.—(1) These bye-laws may be called "The Appointment of Agent Bye-laws, 1984".

(2) These shall come into force from the date of publication in the Official Gazette.

2. Appointment of agent by the owner.—Every owner of a building or land, situated within the local limits of Municipal Corporation Shimla, who does not reside within the local limits of Municipal Corporation, Shimla or is absent therefrom for 30 days or more at a time, shall appoint a literate person residing in or near the limits of Municipal Corporation to act as his agent for all purposes of the Himachal Pradesh Municipal Corporation Act, 1979 or any rules or bye-laws made thereunder.

Explanation.—For the purposes of these bye-laws, any person who can read and write a vernacular shall be deemed to be a literate person.

3. Communication of appointment of agentship.—Such appointment shall be communicated by the owner within 15 days of the date of his departure, to the Commissioner of the Municipal Corporation, Shimla in writing, which shall bear the signature of the agent in acknowledgement of his appointment, and no person shall be deemed to have been appointed as agent until such communication has been received by the Commissioner. Every person, whose appointment as agent has been so communicated shall be deemed to be authorised agent until and unless the owner of the agent has given in writing for cancellation of agentship to the Commissioner of the Municipal Corporation.

4. Validity of notice etc. served upon the agent.—When, an agent has been appointed in pursuance of these bye-laws, any notice served upon him and any demand for payment of its dues made from him by the Corporation, shall have the same effect, as if the notice had been served upon, or the demand had been made from the owner.

5. Cancellation of appointment of agent.—When an agent is appointed in pursuance of these bye-laws evades or refuses service of a notice or demand for payment addressed to the owner, the Commissioner, Municipal Corporation may cancel his appointment in writing as such agent and require the owner to appoint another agent within fifteen days from such cancellation.

6. Service of Notice in the absence of agent.—When no agent is appointed in pursuance of these bye-laws then relevant procedure for service of notice as provided in section 367 of the Himachal Pradesh Municipal Corporation Act, 1979, shall apply.

7. Penalty for breach of bye-laws.—Any person who commits a breach of these bye-laws shall on conviction by a magistrate be punishable with fine which may extend to five hundred rupees and when the breach is a continuing one with a further fine which may extend to twenty-five rupees for every day after the first during which the breach continues.

8. Repeal and Savings.—The Bye-laws No. XI as notified *vide* notification No. 452-C. 36/25070, dated the 17th August, 1936 and is at present in force in the limits of Municipal Corporation Shimla is hereby repealed:

Provided that any action taken or purported to have been taken under the bye-laws so repealed shall be deemed to have been taken under the corresponding provisions of these Bye-laws.

By order,
Sd/-
Secretary.

OFFICE OF THE DISTRICT MAGISTRATE, KULLU, DISTRICT KULLU HIMACHAL PRADESH

NOTIFICATION

Kullu, the 7th December, 1984

No.FDS.S(2)/84-8543-8603.—In exercise of the powers conferred upon me under clause 3(1) and 3(1)(*d*) of the Himachal Pradesh Hoarding and Profiteering Prevention Order, 1977 as amended *vide* H.P. Government notification No. FDS-A-3(2)/77, dated 30th October, 1980, I, S. Vijay Kumar, District Magistrate, Kullu do hereby fix the maximum retailsale and wholesale rates of the commodities inclusive of all taxes and all charges as under:—

Sr. No.	Name of the commodity	Maximum wholesale/retailsale rates inclusive of all taxes
1.	Meat (Sheep/Goat)	Rs. 18.50 per kg.
2.	Chicken	Rs. 25.00 per kg.
3.	Fish	Rs. 12.00 per kg.
4.	Fish fried	Rs. 20.00 per kg.
5.	(*i*) Bread weighing 400 grams duly sliced and wrapped in wax paper	Wholesale rate: 19.20 per dozen. Retailsale rate: 1.70 per bread.
	(*ii*) Bread weighing 800 grams duly sliced and wrapped in wax paper	Wholesale rate: 38.40 per dozen. Retailsale rate: 3.40 per bread.

6. COOKED FOOD:

	Served in dhabas	*Served in hotels/ restaurants*
(*i*) Chapati each	0.30	0.36
(*ii*) Rice plain per plate	2.00	2.00
(*iii*) Full diet with rice and chapati, with one dal and one sabji ...	3.50	3.50
(*iv*) Vegetable special per plate	2.50	3.00
(*v*) Vegetable with cheese per plate ...	—	3.50
(*vi*) Mutton curry per plate	8.00	8.00
(*vii*) Chicken curry per plate	9.00	9.00
(*viii*) Dal fried with H.V. oil per plate ...	1.25	2.00
(*ix*) Eggs fried/Omlate with two eggs ...	2.25	2.25
(*x*) Half Omlate	1.25	1.25
(*xi*) Prontha plain each	1.00	1.25
(*xii*) Prontha stuffed each	1.50	1.75
(*xiii*) Puri each	0.75	0.75
(*xiv*) Curd per kg.	5.00	5.00
(*xv*) Milk with sugar per kg.	4.00	4.00
(*xvi*) Milk un-boiled per kg.	3.50	3.50
(*xvii*) Milk boiled per kg.	3.75	3.75

The above rates shall remain in force for a period of one month from the date of issue of this notification throughout the Kullu district.

S. VIJAY KUMAR,
District Magistrate, Kullu (H.P.).

FOOD AND SUPPLIES DEPARTMENT

NOTIFICATION

Una, the 4th December, 1984

No. FDS-H(F)(6)13/79-II-6598-6613.—With a view to regulate equitable distribution of Kerosene oil both in Urban and Rural areas of the District and in exercise of the powers conferred upon me under clause 3, 8 and 9 of the Himachal Pradesh Hoarding and Profiteering Prevention Order, 1977, I, S. Padmanabhan, District Magistrate, Una hereby order that the wholesaler of Kerosene oil of this district shall observe the following time-table and route for supply of Kerosene oil to the different areas/consumers of the district on every month of calendar year:—

Name of wholesaler	Route through which tanker is to ply	Area of Supply	Remarks
1	2	3	4
M/s Krishana Coal Co.	*Route No.* 1; From Ajauli to Una *via* Santokhgarh.	Ajauli, Poona, Chhattarpur, Binewal, Takatpur, Majara, Malookpur, Sanoli, Santoshgarh, Jatpur, Khanpur, Charatgarh, Udaypur, Fathepur, Nangran, Sassan, Lamlehra, Jankaur, Abadabarana, Barsara, Sunehra, Rampur.	One tanker
	Route No. 2: Full tanker at Una proper.		
	Route No. 3: From Una to Sohari Takoli *via* Daruhi.	Lalsinghi, Kotla Khurd, Jhallera, Rainsari, Basal, Nari, Dhadial, Chalola, Nangal, Jhaamber, Lam, Salangri, Badsala, Sanjot, Dhamandri, Teuri, Bhalola, Panoh, Khandawal, Dhussara, Saluri, Bera, Santothar, Hamboli, Panjora, Pallian, Kaint, Bhur, Umri-Di-Bar, Behar, Harsajandora, Joal, Harsalathan, Baslehar, Tokarian, Berian, Chhattehar, Bharmur, Bhaloon, Sohari, Chauli, Bhalkhun, Takoli, Satleta, Barera, Dathwara, Badoli, Bhaloh.	One tanker
	Route No. 4: From Una to Kodra.	Arnaila, Kotla Kalan, Ajnoli, Dangoli, Madanpur, Barnoh, Kuriala, Surjaira, Denghera, Samoor-Kalan, Samoor, Lamlehri, Mukhas, Baul, Khurwain, Ambey-da-Behra, Kawari, Pundd, Ghugan, Kakana, Thana Kalan, Tanda, Tehnakhas, Chhaproh Kalan, Doli, Sakauhan, Har, Narghota, Bahal-Busal, Talhersanal, Dal, Chhaproh-Khurd, Badhwar, Dulehri Rajputan, Doh, Marhan, Kassan, Gulehar, Aghlaur, Ogal, Bhagol, Behru Kalan, Changrari, Dayan, Dalehari Brahmana, Tikkar, Thanakhurd, Mandli, Natheri,	One tanker

1	2	3	4
		Sherpur, Nurghari, Badhgar, Dehrukhurd, Donk, Badol-brahmana, Badol Parothan, Majjru, Behru, Chokatha, Jagatkhana, Kheen, Tanda, Kolka, Makrar, Bal, Bhar-Gharwasara, Chulhari Lidkot, Changen, Ramgarh, Kosan, Dobar, Raipur, Mathehti, Kandi, Maidan, Kusiala, Pardian-Kalan, Bador, Obhar, Chadiar, Androli, Chunni, Chibar, Paroian-Khurd, Jawalapur, Chauli, Dhingali, Kakroti, Samuthal, Chaurian, Nalwari, Dankhar, Sari, Chaprah, Kutlehrian, Kokra, Gehram Bohana, Kirian, Harot, Kud, Kothi, Mattana, Palahta, Ghanati, Tamlet, Thathoon, Chapla, Grlan, Sarhnoti, Deehar, Kherian, Rajpura, Charoli, Chamboa, Behi Bhalkhun, Raunkhar, Lalsha, Baroa, Talmehra, Katoh, Katohar, Dharun, Ambehra-Ramkishan, Amroh, Chakroa, Tiar, Atia, Bhagnaal, Mayor, Kukhera Jattan, Kukhera Rajputan, Ameradeherraj, Chihli, Bharob, Bangana, Naili Upperli, Naili Jhikli, Muchlikhas, Baut, Bhalet, Marhun, Bhugrian Brahmana, Bhugrian Chamiaran, Bhaletimian, Bhaleti Padhian, Dong Upperli, Dong Jhikli, Jhakhaula, Amjar, Bhaleti Pathian, Hatli, Beri-Surara, Kotla Khas, Kaswan Kanautan, Kaswan Brahmana, Bojwar-Jattan, Bojwar-Kundu, Dhatarl, Dhundla, Nanawain, Kangru, Narhun, Sohari, Jamnoti Bag Malangarmian, Malangar Brahmana, Bahal, Sarsauli, Amrera, Sohrola Upperla, Sohrola Jhikla, Badehar Upperla, Badehar Jhikla, Tanoh, Turetta, Dhugar, Kattal, Sasan Karsai, Kehalwin, Chehru, Chehru, Herukhas, Rajli-Upperli, Jadhol, Rajli Jattan, Rajli Banialan, Lathiari, Jalgran, Nalut, Aliana, Baliana, Banjal, Sohari, Turkal, Pansai, Budhan Upperla, Budhan, Jhikla, Dhabera, Gharala Upperla, Gharala Jhikla, Kughal, Bhalwani, Dharet, Sangholi, Dhuthan, Neri, Padiauli, Karota, Dehan, Kodra, Sepra, Kaindi, Bhagolmian, Bhagol Jattan, Chaman, Karimain, Bari-Manas, Dabian, Aleha, Khadwin Kherane, Khadwin Sassan, Khadwin Diautan, Khangral, Daroh, Saroh, Suknehra, Basatar, Rachhon, Chamiari, Kot, Matoh, Sihane, Kanchra, Jandana, Jakola, Jatehri, Pantehri, Raitsatrukha, Nargali Saloh, Kharuni, Danoh, Hathlawan, Lakhrun, Tehi, Tama-	

1	2	3	4
		let, Anawar, Rewar, Jandur, Mehar, Majyani, Jhawarani, Aisan, Jassana, Samlara, Damahod, Marhot Rajputan, Marhot Brahmana, Hatli Patialan, Hatli Kesri, Hatli S ltana, Pakhalu, Tohana, Beharar, Talpi, Thana Jhikla Thana Upperla, Dhagrun, Bharmaut, Sar, Baggi, Sai, Bhaba, Auna, Paproli, Bahal, Naridevi Singh, Naridhian Singh, Karaur Brahmana, Karaur Rajputan, Kharol, Karmali, Charora, Chhater, Bhiambi, Alsan, Chokahan, Sugrial, Ghaloon, Samma.	
	Route No. 5: Full Tanker at Una proper.		
	Route No. 6	Same as number 1 route.	
M/s Harjit Singh & Sons.	*Route No.* 1: From Mehatpur to Una.	Mehatpur Basdehra, Raipur, Jakhera Bangarh, Fathewal, Bhatoli, Dehlan, Behdala, Taba, Bharolian Kalan, Basoli, Chattara, Bharolian Khurd, Kuthar Kalan, Kuthar.	One tanker.
	Route No. 2: Una-Jajon road.	Saloh, Badehara, Kangar, Dharampur, Saiswal, Samnal, Haroli, Rora-waliwal, Bhaduri, Palkawah, Pabuwal, Kuthar, Polian Beet, Gondpur Taraf Bula, Gondpur Taraf Jai Chand, Beetan, Singhan, Dulehar, Kungret, Bathri, Bathu, Bat-kalan, Bat-Khurd, Lalhri, Nangal Khurd, Nangal-Kalan.	One tanker.
	Route No. 3 : From Dilwan to Akrot *via* Amb.	Dilwan, Beheri, Takarla, Charuru, Nandpur, Kuthiari, Talwal, Dadawn, Kothar-Kalan, Kothar Khurd, Kuthera, Kherla, Amb, Amdora, Athmah, Kangruhi, Ladoli, Nehri-Khalsa, Nehri Nauranga, Duki, Jhot, Santu Tilla, Baga Barota, Dharut, Nanai, Checksarai, Kotla, Ado, Patehar, Sapauri, Moghal, Nahan, Gangati, Lamba sail, Mairi, Jawar, Nari, Naloh, Polian Parohtan, Rakohmachlian, Paloh Suri, Larota, Rakkar, Landehar-Tikri, Majjar, Thakar, Machlehar, Sandhari, Gathrun, Danguhi, Rapoh Manmaniare, Rapoh Mishra, Karop, Kudet, Papper, Jandoh, Lanyan Santo, Lander Landian, Jawer, Gondpur, Tai, Dhargulran, Badoh Sani, Basuni, Behar Jaswan, Behar Behtal, Ghanzral, Ladial Chuk, Gir Gir, Akrot, Chak Panjoa Khurd, Bijapur, Panjoa-Kalan, Thathal and back to Una.	One tanker.

1	2	3	4
	Route No. 4: From Amb to Ghangret *via* Chintpurni.	Kalruhi, Mubarakpur, Ghewat-Behar, Kharali, Moyali, Tibi, Pramb Alhehar, Mansotikri, Polian, Salol, Koharchan, Bingel, Aghar, Bhagrah, Muther, Bhler Mandoli, Chaler, Sohi, Tajjar, Chowar, Araroh, Behal, Ambtilla, Bendbakshi, Lohara, Dunal Bhadwalan, Duhal Bangawana, Kotli Daru, Amokla Sadu Banbansara, Amokla Pritam, Jowel, Chhaproh, Nari, Badmana, Dharamsala Mahantan, Baret, Behran, Bhater, Karoh, Gindpur, Malan, Ghangret.	One tanker.
	Route No. 5: Full tanker at Una proper.		
	Route No. 6: Saloh to Gagret *via* Khad Panjawar.	Bhadsali, Ispur, Pandoga, Khad, Daulatpur, Panjawar, Nangoli, Guglehar, Badehra, Koeri, Jadla Loharli, Kuthera Jaswalan, Mawa-Sidhian, Tatera, Oel, Pambra, Dadoh, Katoh, Gagret.	One tanker.
	Route No. 7: Gagret to Mandwana.	Sagnai, Deoli, Ghanari, Nangal Jarialan, Harwal, Amboa, Mawa Kohlan, Chalet, Daulatpur-Chowk, Babehar, Marwari, Ganu, Mandawara, Sekri, Saloh, Joh, Maidangarh, Prithipur, Bansarar. Dangoh Khurd, Dangoh Khad.	One tanker.
	Route No. 8: Daulatpur Chowk to Una *via* Mubarakpur.	Badoh-Bhadarkali, Abuypur, Fathepur, Kunetratian, Tundkhri, Kuther, Maryalan, Kuthera-Rampur, Gondpur, Benehra, Nakroh, Kuneran, Ked, Bhanjak, Amlehar and back to Una.	
	Route No. 9: Full tanker at Una proper.		

One tanker of Kerosene oil will be distributed equitably to cover each route scheduled above. After covering route No. 6 by M/s Krishana Coal Co., and 7 or route No. 9 by M/s Harjit Singh & Sons, route No. 1 of the concerned party shall be repeated. In case any surplus Kerosene oil is received during any particular month, the same shall be reported immediately to the District Food and Supplies Controller and instructions obtained for its distribution.

It shall be ensured by each dealer that the area allotted to him is kept fully satisfied. The concerned wholesale dealers shall ensure that the distribution of kerosene oil is made strictly as per the above rotation and schedule. After each trip the dealer shall submit a return/statement to

the District Food and Supplies Controller indicating the quantity of Kerosene oil he has already dropped at each retail outlet indicated in the schedule/rotation chart.

S. PADMANABHAN,
District Magistrate,
Una, District Una.

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला-5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित।

रजिस्टर्ड नं० पी/एस० एम० 14.

राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 19 जनवरी, 1985/29 पौष, 1906

हिमाचल प्रदेश सरकार

PONG DAM CELL

NOTIFICATION

Shimla-2, the 2nd January, 1985

No. 5-1/75-Pong.—In partial modification of this Department's office order of even number, dated 24-11-1984 reconstituting the District Level Pong Dam Oustees Rehabilitation Advisory Committee, the following para may be added as per para No. 7 after para 6:—

"If the Hon'ble Revenue Minister is present during the meetings of the Committee, he will preside over the meetings and in his absence, if Shri Chander Kumar, Deputy Minister (Health and Public Relations is present, then he will preside over and if both are not present, then the Divisional Commissioner, Dharamshala will preside over the meetings of the Committee."

By order,

ATTAR SINGH,
Financial Commissioner-cum-Secretary.

80-राजपत्र/85-19-1-85—1,173.

मूल्य : 20 पैसे ।

OFFICE OF THE DISTRICT MAGISTRATE, KINNAUR DISTRICT, KALPA

NOTIFICATION

Kalpa, the 10th January, 1985

No. FDS-KNR(E)12-1/82-II-131-173.—In supersession of this office notification No. FDS-KNR(E)12-1/82-II-5475 dated 17-12-1984 and No. 6096-6129, dated 17-12-1984 and in exercise of the powers vested in me under clause 3(1)(*e*) of the Himachal Pradesh Hoarding and Profiteering Prevention Order, 1977, I, Vivek Srivastava, District Magistrate, Kinnaur district, Kalpa hereby refix the retail sale rate of meat inclusive of all taxes at Rs. 23 per kg. which will come into force throughout Kinnaur district with immediate effect.

This notification will remain in force for a period of one month from the date of issue.

VIVEK SRIVASTAVA,
District Magistrate.

OFFICE OF THE DISTRICT MAGISTRATE, SIRMAUR DISTRICT, NAHAN

NOTIFICATION

Nahan, the 8th January, 1985

No. CS-34-690/77-IV-168-236.—In continuation of this office notifications circulated *vide* endorsement No. CS-34-690/77-V-6296-6364 dated 20-11-84 and even No. 6365-6432, dated 20-11-84 and in exercise of the powers conferred upon me under clause 3(1)(*d*)(*e*) of H. P. Hoarding and Profiteering Prevention Order, 1977, I, P. C. Dogra, District Magistrate, Sirmaur district, Nahan (H.P.) do hereby order that the margin of profit and rates so fixed *vide* notifications referred to above shall continue to remain in force, for a further period of two months from 11-1-1985.

P. C. DOGRA,
District Magistrate,
Sirmaur district, Nahan.

निर्वाचन विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 15 जनवरी 1985

संख्या 6-4/80-इलैक.—भारत निर्वाचन आयोग की अधिसूचना संख्या 429/हि०प्र०/85 (1), दिनांक 8 जनवरी, 1985 संवादी 18 पौष, 1906 (शक), अंग्रेजी रूपान्तर सहित जनसाधारण की सूचनार्थ प्रकाशित की जाती है ।

आदेश से,
अत्तर सिंह,
मुख्य निर्वाचन अधिकारी,
हिमाचल प्रदेश ।

भारत निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली-1
8 जनवरी, 1985
दिनांक———————
18 पौष, 1906 (शक)

अधिसूचना

संख्या 429/हि०प्र०/85 (1).—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13-ग की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा निदेश देता है

कि इसकी, दिनांक 1 अप्रैल, 1981 की अधिसूचना संख्या 429/हि0प्र0/81 (1) में निम्नलिखित और संशोधन किए जाएंग, अर्थात्,—

उक्त अधिसूचना के साथ संलग्न सारणी के स्तम्भ 2 में:—

(1) मद "3-रोहड़ू विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी" के सामने, वर्तमान प्रविष्टि "6–नायब तहसीलदार, चिड़गांव," के स्थान पर प्रविष्टि "6-तहसीलदार, चिड़गांव" प्रतिस्थापित की जाएगी;

(2) मद "8-शिमला विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी" के सामने, वर्तमान प्रविष्टि "5-तहसीलदार नगर निगम, शिमला" के स्थान पर प्रविष्टि "5-सहायक आयुक्त (प्रशासन), नगर निगम, शिमला" प्रतिस्थापित की जाएगी;

(3) मद "41–युरल विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी" के सामने, वर्तमान प्रविष्टि "12–नायब तहसीलदार जयसिंहपुर" के स्थान पर प्रविष्टि "12–तहसीलदार जयसिंहपुर" प्रतिस्थापित की जाएगी;

(4) मद "42–राजगिर (अ जा0) विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी" के सामने वर्तमान प्रविष्टि, "8–नायब तहसीलदार, जयसिंहपुर" के स्थान पर प्रविष्टि "8–तहसीलदार जयसिंहपुर" प्रतिस्थापित की जाएगी;

(5) मद "43–बैजनाथ विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी" के सामने, वर्तमान प्रविष्टियों "8–नायब तहसीलदार, जयसिंहपुर" और "9–नायब तहसीलदार, बैजनाथ" के स्थान पर प्रविष्टियां "8–तहसीलदार, जयसिंहपुर" और "9–तहसीलदार बैजनाथ" प्रतिस्थापित की जाएगी;

(6) मद "45–पुलाह विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी" के सामने, वर्तमान प्रविष्टि "8–नायब तहसीलदार, जयसिंहपुर" के स्थान पर प्रविष्टि "8–तहसीलदार, जयसिंहपुर" प्रतिस्थापित की जाएगी ।

आदेश से,
धर्मवीर,
अवर सचिव,
भारत निर्वाचन आयोग ।

ELECTION COMMISSION OF INDIA

Nirvachan Sadan
Ashok Road
New Delhi-110 001

Dated—*8th January*, 1985
Pausa 18, 1906 (*Saka*)

NOTIFICATION

No. 429/HP/85 (1).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13C of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission hereby directs that the following further amendments shall be made in its Notification No. 429/HP/81 (1) dated the 1st April, 1981, namely:—

In column 2 of the table appended to the said notification:—

(1) against item "Electoral Registration Officer of 3-Rohru Assembly Constituency", for the existing entry "6-Naib Tehsildar, Chargaon" the entry "6-Tehsildar, Chargaon" shall be substituted;

(2) against item "Electoral Registration Officer of 8-Shimla Assembly Constituency", for the existing entry "5-Tehsildar, Municipal Corporation, Shimla", the entry "5-Assistant Commissioner (Administration), Municipal Corporation, Shimla" shall be substituted;

(3) against item "Electoral Registration Officer of 41-Thural Assembly Constituency", for the existing entry "12-Naib Tehsildar, Jaisinghpur", the entry "12-Tehsildar, Jaisinghpur" shall be substituted;

(4) against item "Electoral Registration Officer of 42-Rajgir (SC) Assembly Constituency", for the existing entry "8-Naib-Tehsildar, Jaisinghpur", the entry "8-Tehsildar, Jaisinghpur", shall be substituted;

(5) against item "Electoral Registration Officer of 43-Baijnath Assembly Constituency" for the existing entries "8-Naib Tehsildar, Jaisinghpur", and "9-Naib Tehsildar, Baijnath", the entries "8-Tehsildar, Jaisinghpur" and "9-Tehsildar, Baijnath" shall be substituted;

(6) against item "Electoral Registration Officer of 45-Sulah Assembly Constituency", for the existing entry "8-Naib Tehsildar, Jaisinghpur", the entry "8-Tehsildar, Jaisinghpur" shall be substituted.

By order,
DHARAM VIR,
Under Secretary,
Election Commission of India.

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला-5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित।

रजिस्टर्ड नं० पी०/एस० एम 14.

राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 19 जनवरी, 1985/29 पौष, 1906

हिमाचल प्रदेश सरकार

INDUSTRIES DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171002, *the 5th January,* 1985

No. 9-4/73-SI(Rules) IV.—In partial modification of this Government Notification of even number, dated the 14th May, 1980 and subsequent notification of the same number dated the 28th August, 1984, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to re-notify the following rules for the grant of revised incentive to the new and already established industrial units in Himachal Pradesh after incorporating the amendments made therein from time to time subject to the applicability from the dates specified under each rule.